CHHATTISGARH LOCAL LAWS BARE ACT

CHHATTISGARH EXCISE ACT, 1915
[No. 2 of 1915]

CHHATTISGARH SHAIKSHANIK SANSTHANO MAI PRATADANA (RAGING) KA PRATISHEDH ADHINIYAM 2001
[No. 27 of 2002]

CHHATTISGARH TONAHI PRATADNA NIVARAN ACT, 2005
[No. 17 of 2005]

CHHATTISGARH VISHESH JAN SURAKSHA ADHINIYAM, 2005
[No. 14 of 2006]

Sample Preview

DIGLOT EDITION
द्विभाषी संस्करण

Linking Publication
Jodhpur, Rajasthan

www.LinkingLaws.com

INDEX

S.No.	TOPIC	*Page No.*
1.	Chhattisgarh Excise Act, 1915	A-1 – A-83
2.	Chhattisgarh Shaikshanik Sansthano mai Pratadana (raging) ka Pratishedh Adhiniyam 2001	B-1 – B-7
3.	Chhattisgarh Tonahi Pratadna Nivaran Act, 2005	C-1 – C-10
4.	Chhattisgarh Vishesh Jan Suraksha Adhiniyam, 2005	D-1 – D-19
5.	QR Code for Landmark Judgments (Year wise & Subject wise)	E-1 – E-2

Sample Preview

THE
CHHATTISGARH EXCISE ACT, 1915
[No. 2 of 1915]

छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, 1915

[Enactment Date: 10th April, 1915]

Sample Preview

DIGLOT EDITION
द्विभाषी संस्करण

www.LinkingLaws.com

INDEX			
Cha. No.	**Chapter Heading**	***Sections***	***Page No.***
-	Section wise index		*A-3- A-7*
I.	Preliminary/ प्रारम्भिक	1-6	*A-8- A-13*
II.	Establishment and Control / स्थापना और नियंत्रण	7-7A	*A-14- A-15*
III.	Import, Export and Transport आयात, निर्यात तथा परिवहन	8-12	*A-16- A-17*
IV.	Manufacture, Possession and Sale विनिर्माण, कब्जा तथा विक्रय	13-24	*A-18- A-29*
V.	Duties and Fees / शुल्क और फीस	25-27	*A-30- A-33*
VI.	Licences, Permits and Passes अनुज्ञप्तियां, अनुज्ञा पत्र तथा पास	28-33	*A-34- A-39*
VII.	Offences and Penalties / अपराध और शास्तियां	34-49	*A-40- A-59*
VIIA.	Penalty for Offences Against Life जीवन के विरुद्ध अपराधों के लिये शास्ति	49A	*A-60- A-61*
VIII.	Detention, Investigation and Trial of Offences अपराधों का पता चलाना, अन्वेषण तथा विचारण	50-61A	*A-62- A-71*
VIIIA.	Special provisions for Scheduled Areas अनुसूचित क्षेत्रों के लिए विशेष उपबन्ध	61B-61F	*A-72- A-75*
IX.	Miscellaneous / प्रकीर्ण	62-69	*A-76- A-81*
-	Schedule	*I-II*	*A-82- A-83*

Sample Preview

www.LinkingLaws.com

THE CHHATTISGARH EXCISE ACT, 1915

ARRANGEMENT OF SECTIONS

Sec. No.	Title	Page No.
	Preamble	
	CHAPTER I	
	Preliminary/ प्रारम्भिक	
1.	Short title, extent and commencement. / संक्षिप्त नाम, विस्तार तथा प्रारम्भ	*A-8*
2.	Definitions / परिभाषाएं	*A-8- A-12*
3.	Omitted	*A-12*
4.	Power to declare what shall be deemed to be "country liquor" and "foreign liquor", respectively. / यह घोषित करने की शक्ति कि कौन सी मदिरा क्रमशः "देशी मदिरा और "विदेशी मदिरा" समझी जाएगी	*A-12*
5.	Definition of retail and wholesale sale. / फुटकर तथा थोक विक्रय की परिभाषा	*A-12*
6.	Saving of enactment. / अधिनियमितियों की व्यावृत्ति	*A-12*
	CHAPTER II	
	Establishment and Control / स्थापना और नियंत्रण	
7.	Establishment and powers thereof. / स्थापन और उसकी शक्तियां	*A-14*
7-A.	Establishment of flying squads. / उड़नदस्तों की स्थापना	*A-14*
	CHAPTER III	
	Import, Export and Transport / आयात, निर्यात तथा परिवहन	
8.	Power to prohibit import, export or transport. आयात, निर्यात या परिवहन का प्रतिषेध करने की शक्ति	*A-16*
9.	Restriction on import, export or transport. आयात, निर्यात या परिवहन पर निर्बन्धन	*A-16*
10.	Requirement of pass for import, export or transport. आयात, निर्यात या परिवहन के लिए पास की आवश्यकता	*A-16*
11.	Passes for import, export or transport. आयात, निर्यात या परिवहन के लिये पास	*A-16*
12.	Passes issued by other authorities may be deemed passes granted under this Act. / अन्य प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये पास इस अधिनियम के अधीन मंजूर किये गये पास समझे जायेंगे	*A-16*
	CHAPTER IV	
	Manufacture, Possession and Sale / विनिर्माण, कब्जा तथा विक्रय	
13.	Licence required for manufacture, etc., of intoxicants. मादक द्रव्यों के विनिर्माण आदि के लिये अपेक्षित अनुज्ञप्ति	*A-18*
14.	Establishment or licensing of distilleries and warehouses. डिस्टलरियों और भाण्डागारों का स्थापन या अनुज्ञापन	*A-18*
15.	Payment of duty on removal from distillery, brewery or place of storage. / डिस्टिलरी, ब्रूअरी या भण्डारकरण के स्थान से हटाये जाने पर शुल्क का संदाय	*A-18*
16.	Possession of intoxicants generally. / मादक द्रव्यों का साधारणतया कब्जा	*A-18*
17.	Licence required for sale of intoxicant. / मादक द्रव्यों के विक्रय के लिये अनुज्ञप्ति	*A-20*
18.	Power to grant lease of right to manufacture, etc. विनिर्माण आदि के अधिकार का पट्टा मंजूर करने की शक्ति	*A-22*
18A.	Power to grant exclusive right for manufacture, sale, etc. निर्माण, विक्रय आदि का अनन्याधिकार प्रदान करने की शक्ति	*A-22*
19.	Lessee's permission to draw tari. / ताड़ी निकालने के लिये पट्टेदार की अनुज्ञा	*A-24*

Sample Preview

www.LinkingLaws.com

The Chhattisgarh Excise Act, 1915

No. II of 1915

An Act to consolidate and amend the Excise Law in Chhattisgarh.

Preamble- Whereas it is expedient to consolidate and amend the law in Chhattisgarh relating to the import, export, transport, manufacture, sale and possession of intoxicating liquor and of intoxicating drugs, and whereas the previous sanction of the Governor-General, required under Sections of the Indian Councils Act, 1892, has been obtained to the passing of this Act.

Applicability of the Act to the State of Chhattisgarh

The Government of Chhattisgarh by its Notification No. F-1-20-2000/ Excise/V dated the 5-12-2000 has issued Adaptation of Laws Order, 2000, which came into force throughout the State of Chhattisgarh w.e.f. 1-11-2000. According to this Order some of the Laws in force in the State of Madhya Pradesh on 1-11-2000 have been extended to the State of Chhattisgarh. Accordingly, Madhya Pradesh Excise Act, 1915 (No. 2 of 1915) has been enforced in the whole State of Chhattisgarh. The amendments in this Act upto 31-10- 2000 have been carried out at appropriate places. These amendments have not been shown separately. Only those amendments which have been done after 1-11-2000 by the State of Chhattisgarh have been shown separately.

It is hereby enacted as follows:-

CHAPTER I

Preliminary

1. Short title, extent and commencement.

(1) This Act may be called the Chhattisgarh Excise Act, 1915.

(2) It extends to and shall be in force in whole of the Chhattisgarh.

2. Definitions.

In this Act, unless there is anything repugnant in the subject or context, -

[1][(1) "**Agency**" means firms registered under the Companies Act, 2013, the Partnership Act, 1932 and Proprietorship Firms;]

[2][(1a) "**beer**" includes ale, stout, porter and all other fermented liquors usually made from malt;]

(2) "**bottle**" means to transfer liquor from a cask. or other vessel to a bottle, jar, flask or other similar receptacle for the purpose of sale, and bottling includes re-bottling; purposes of this Act;

(3) "**Chief Revenue Authority**" means the authority declared by the State Government to be the Chief Revenue Authority for the

(4) "**common drinking-house**" means a place where drinking of liquor is allowed for the profit or gain of the person owning, occupying, such place, whether by way of charge for the use of the place, or using, keeping or having the care or management or control of for drinking facilities provided, or otherwise howsoever;

(5) "**denatured**" means rendered unfit for human consumption in such manner as may be prescribed by the Government in this behalf;

1 Inserted by C.G. Act No. 4 of 2020, w.e.f. 214-2020)

2 Clause (1) remumbered as clause (1 -a) by C.G. Act No. 4 of 2020, w.e.f. 21-4-2020)

Sample Preview

www.LinkingLaws.com

छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, 1915

[क्रमांक 2 सन् 1915]

छत्तीसगढ़ में आबकारी विधि को समेकित तथा संशोधित करने हेतु अधिनियम ।

उद्देशिका - यतः यह समीचीन है कि छत्तीसगढ़ में मादक मदिरा तथा मादक औषधि के आयात, निर्यात, परिवहन, विनिर्माण, विक्रय तथा कब्जे में रखने से सम्बन्धित विधि को समेकित और संशोधित किया जाय, और यतः गवर्नर जनरल की पूर्व मंजूरी, जो कि इण्डियन कौन्सिल एक्ट, 1892 की धाराओं द्वारा अपेक्षित है, इस अधिनियम को पारित करने के लिए अभिप्राप्त हो चुकी है।

अधिनियम का छत्तीसगढ़ राज्य पर लागू होना

छत्तीसगढ़ शासन ने अधिसूचना क्र. एफ-1-20-2000/आबकारी/पांच दिनांक 5-12-2000 द्वारा विधियों का अनुकूलन आदेश, 2000 बनाया है। जो पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में दिनांक 1 नवम्बर, 2000 से प्रवृत्त हुआ है। इस आदेश के अनुसार कुछ म० प्र० राज्य विधियों को छत्तीसगढ़ राज्य पर विस्तारित किया गया है। तदनुसार मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (क्र० 2 सन् 1915) को पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में लागू किया गया । इस अधिनियम में 31-10-2000 तक के संशोधनों को यथास्थान समाविष्ट किया गया । इन संशोधनों को अलग से नहीं दर्शाया गया है। केवल उन्हीं संशोधनों को अलग से दर्शाया गया है, जो 1-11-2000 के बाद छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा किए गए हैं।

अतः एतद्द्वारा यह निम्नलिखित रूप में अधिनियमित किया जाता है :-

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार तथा प्रारम्भ.

(1) यह अधिनियम छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, 1915 कहा जा सकेगा।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ पर है और यह सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में प्रवृत्त होगा ।

2. परिभाषाएं.

इस अधिनियम में जब तक कि कोई बात विषय या सन्दर्भ के विरुद्ध न हो —

[1][(1) "**एजेंसी**" से अभिप्रेत है कम्पनी अधिनियम, 2013, भागीदारी अधिनियम, 1932 के अंतर्गत पंजीकृत फर्म (संस्थायें) तथा प्रोप्राइटरशिप फर्म (संस्थायें)];

[2][(1क) "**बीयर**" के अन्तर्गत एल०, स्टाउट, पोर्टर तथा समस्त अन्य किण्वित् मदिरायें आती हैं जो सामान्यतः थव्य (माल्ट) से बनी हों];

(2) "**बोतलें भरना**" से अभिप्रेत है विक्रय के प्रयोजन के लिए मदिरा को पीपे या पात्र में से बोतल, घड़े, कुप्पी या अन्य वैसे ही पात्र में अन्तरित करना, और बोतल भरने के अन्तर्गत बोतल का पुनः भरा जाना आता है;

(3) "**मुख्य आगम प्राधिकारी**" से अभिप्रेत है वह प्राधिकारी, जो राज्य सरकार द्वारा इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए मुख्य आगम प्राधिकारी घोषित किया जाय;

(4) "**सामान्य मद्यपानगृह**" से अभिप्रेत है वह स्थान, जहाँ मदिरा का पीना ऐसे स्थान का स्वामित्व रखने वाले या उस पर अधिभोग रखने वाले, उसका उपयोग करने वाले या उसे चलाने वाले अथवा उसकी देख-रेख या उसका प्रबन्ध या नियन्त्रण रखने वाले व्यक्ति के लाभ या उनके अभिलाभ के लिये अनुज्ञात किया गया हो, चाहे वह लाभ या अभिलाभ उस स्थान के उपयोग के लिए प्रभार (चार्ज) के रूप हो या दी गई मद्यपान की सुविधाओं के लिए प्रभार के रूप में हो या किसी भी तरह अन्यथा हो;

(5) "**विप्रकृत**" (डिनेचर्ड) से अभिप्रेत है मानवीय उपभोग के लिये ऐसी रीति से अनुपयुक्त बना देना जो इस सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा विहित की जाय;

1 Inserted by C.G. Act No. 4 of 2020, w.e.f. 214-2020)

2 Clause (1) remumbered as clause (1 -a) by C.G. Act No. 4 of 2020, w.e.f. 21-4-2020)

www.LinkingLaws.com

Sample Preview

THE
CHHATTISGARH SHAIKSHANIK SANSTHANO MAI PRATADANA (RAGING) KA PRATISHEDH ADHINIYAM 2001

[No. 27 of 2002]

छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थाओं में प्रताड़ना (रैगिंग) का प्रतिषेध अधिनियम, 2001

[Enactment Date: 21st January, 2002]

DIGLOT EDITION

द्विभाषी संस्करण

Sample Preview

Index

Sec. No.	Title	Page No.
1.	Short title, extent and Commencement संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ	B-4
2.	Definitions / परिभाषाएं	B-4
3.	Prohibition of ragging / रैगिंग का प्रतिषेध	B-4
4.	Punishment / दण्ड	B-4
5.	Offence to be cognisable, non-bailable and non-compoundable / संज्ञेय अपराध, गैर जमानतीय	B-4
6.	Trial of Offence / अपराधों का विचारण	B-4
7.	Disqualification for remaining as student छात्र के निष्कासन के लिए नियोग्यता	B-6

Sample Preview

Chhattisgarh ADPO Rapid Course

Complete Syllabus Coverage

Mock Test Series | SubjectWise Practice Set | Recorded Lectures | Practice & Revision Sessions | Expert Mentorship (Tansukh Sir) | Bilingual Classes

Recorded Course Validity : 04 Months

www.LinkingLaws.com

CLICK HERE TO ENROL NOW

Linking Support 999 774 6200, 988 774 6465 (Classes)

ENROL NOW

THE CHHATTISGARH SHAIKSHANIK SANSTHANO MAI PRATADANA (RAGING) KA PRATISHEDH ADHINIYAM 2001
[Act No. 27 of 2001]

[21st January, 2002]

An Act to prevent ragging in educational Institutions in the state and for matters connected therewith and incidental thereto.

Be it enacted by the Chhattisgarh legislature in the Fifty second Year of the Republic of India as follows :-

1. Short title, extent and Commencement

(1) This Act may be called the Chhattisgarh Shaikshanik Sansthan Me Pratarna Ka Pratishedh Adhiniyam, 2001.

(2) It extends to the whole of the Chhattisgarh.

(3) It shall come into force on such date as the State Government may, by notification, appoint.

2. Definitions

In this Act, unless the context otherwise requires.-

(a) "**ragging**" means causing, inducing compelling or forcing a student, whether by way of a practical joke of otherwise, to do any act which detracted from human dignity or violates his person or exposes him to ridicule or forbear from doing any unlowful act, by intimidating, wrongfully restraining, wrongfully confining, or injuring him or by using criminal force to him or by holding out to him any threat or such intimidation, wrongful restraing, wrongful confirenment, injury or the use of criminal force.

(b) '**Educational institution'** includes government, autonomous, and non-government educational institutions.

3. Prohibition of ragging

No student of an educational institution either directly or indirectly or by any other means or any where shall commit or take part in ragging.

4. Punishment

Any person who contravenes the provisions of Section 3 or attempts to commit or abets the act of ragging or takes part either directly or indirectly in ragging shall be punished with either of the description for imprisonment which may extend upto five years or with fine which may extend to five thousand rupees or with both.

5. Offence to be cognisable, non-bailable and non-compoundable

Every offence under this Act shall be cognisable, non-bailable and non-compoundable.

6. Trial of Offence

(1) Every offence punishable under this Act shall be tried by a Judicial Magistrate of first class.

(2) The provisions of the code of criminal procedure, 1973 shall apply for investigation, inquiry and trial of the offences under this Act.

Sample Preview
www.LinkingLaws.com

छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थाओं में प्रताड़ना (रैगिंग) का प्रतिषेध अधिनियम, 2001

(क्रमांक 5 सन् 2002)

[21st January, 2002]

राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं में रैगिंग को रोकने के लिए तथा उनके क्रियाकलापों के नियमन एवं तद्सम्बन्धी एवं तद्जनित विषयों के प्रावधान हेतु अधिनियम.

भारत के गणराज्य के बावनवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधान सभा द्वारा निम्नानुसार अधिनियमित हो

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ

(1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थाओं में प्रताड़ना (रैगिंग) का प्रतिषेध अधिनियम, 2001 (क्रमांक 5 सन् 2002) है.

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में होगा

(3) यह ऐसी तारीख से प्रवृत होगा जो राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा नियत करे.

2. परिभाषाएं.

इस अधिनियम में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो -

(क) **'रैगिंग'** से अभिप्रेत है किसी छात्र को मजाक पूर्ण व्यवहार से या अन्य प्रकार से ऐसा कृत्य करने के लिए उत्प्रेरित, बाध्य या मजबूर करना, जिससे उसके मानवीय मूल्यों का हनन या उसके व्यक्तित्व का अपमान या उपहास अभिदर्शित होता हो, या उसे अभित्रास, सदोष अवरोध, सदोष परिरोध या क्षति, या उस पर आपराधिक बल के प्रयोग या सदोष अवरोध, सदोष परिरोध, क्षति या आपराधिक बल प्रयोग कर अभित्रास देते हुए किसी विधि पूर्ण कार्य से प्रविरत करता हो.

(ख) **'शैक्षणिक संस्था'** में शासकीय, स्वशासी एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाएं शामिल है.

3. रैगिंग का प्रतिषेध.

किसी शैक्षणिक संस्था का छात्र प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः न तो रैगिंग करेगा और न ही उसमें भाग लेगा.

4. दण्ड.

यदि कोई व्यक्ति धारा 3 के उपबन्धों का उल्लंघन करता है तो वह दोनों में से किसी भांति के कारावास जिसकी अवधि 5 वर्ष तक की हो सकेगी, या जुर्माने से जो 5000 रुपये तक हो सकेगा, या दोनों से दण्डित किया जा सकेगा.

5. संज्ञेय अपराध, गैर जमानतीय.

इस अधिनियम के संज्ञान किये जाने योग्य प्रत्येक अपराध संज्ञेय व गैर जमानतीय होगा.

6. अपराधों का विचारण

(1) इस अधिनियम के अधीन दण्डनीय प्रत्येक अपराध का विचारण प्रथम वर्ग के न्यायिक दण्डाधिकारी द्वारा किया जायेगा.

(2) इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन अपराधों के अन्वेषण, जांच तथा विचारण में अपराध प्रक्रिया संहिता, 1973 (क्रमांक-2 सन् 1974) करे उपबन्ध लागू होगे.

Sample Preview

www.LinkingLaws.com

7. Disqualification for remaining as student

(1) Pending investigation or trial of an offence under this Act, the head of the educational institution shall have the power to suspend a student accused of an offence under this Act and debar him from entry into premises of the educational institution and the hostel.

(2) A student of an educational institution who has been convicted under Section 4 shall be liable to rustication from the educational institution.

(3) A student who has been rusticated or any other person who has been convicted under this Act shall not be admitted to another educational institution within the jurisdiction of the state for a period of three years.

Sample Preview

Linking Charts
Diglot Technical Words*
Important Sections Marking
Easy Way for Legal Meditation
Major Laws Bird View
Section Linking

New Criminal Major Laws (Set of 2 Charts)

Alpha Minor Linking Charts (Set of 4 Charts)

All Major Laws Linking Charts (Set of 5 Charts)
Linking Support 773 774 6465 (Publication)
Order Now

www.LinkingLaws.com

THE
CHHATTISGARH TONAHI PRATADNA NIVARAN ACT, 2005
[No. 17 of 2005]

छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, 2005

[Enactment Date: 30th September 2005]

Sample Preview

DIGLOT EDITION
द्विभाषी संस्करण

www.LinkingLaws.com

Index

Sec. No.	Title	Page No.
1.	Short title, extent and commencement संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ	C-4
2.	Definitions / परिभाषाएँ	C-4
3.	Act not in derogation of any other law अधिनियम किसी अन्य विधि का अल्पीकरण नहीं।	C-4
4.	Punishment for identifying Tonahi/ टोनही की पहचान के लिए दंड	C-4
5.	Punishment for harassment / प्रताड़ना के लिए दंड	C-4
6.	Punishment for alleged curing / अधिकृत उपचार के लिए दंड	C-6
7.	Punishment for claiming to be Tonahi टोनही होने का दावा करनेके लिए दंड.	C-6
8.	Punishment for attempt to commit offence अपराध कारित करने केप्रयास हेतु दंड	C-6
9.	Trial of offences under the Act / अपराधों का विचारण	C-6
10.	Offences to be cognizable and non-bailable अपराध का संज्ञेय तथा अजमानतीय होगा	C-6
11.	Application of Section 360 of the Code of Criminal Procedure, 1973 and of the Probation of Offenders Act, 1958 दण्ड प्रक्रिया सहिता, 1973 की धारा 360 तथा अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 का लागू होना	C-6
12.	Matters to be taken into consideration for fixing fine जुर्माने के निर्धारण में विषयों को विचारण में लिया जाना	C-6
13.	Order for Compensation / मुआवजे का आदेश	C-6
14.	Bar of Jurisdiction / क्षेत्राधिकार का वर्जन	C-6
15.	Protection of Action taken in good faith सद् भावनापूर्वक की गई कार्यवाही का संरक्षण	C-8
16.	Power to make Rule / नियम बनाने की शक्ति	C-8

Sample Preview

www.LinkingLaws.com

THE CHHATTISGARH TONAHI PRATADNA NIVARAN ACT, 2005

[Act No. 17 of 2005]

[30th September 2005]

PREAMBLE

Be it enacted by the Chhattisgarh Legislature in the Fifty-sixth year of the Republic of India as follows:

1. Short title, extent and commencement

(1) This Act may be called the Chhattisgarh Tonahi Pratadna Nivaran Adhiniyam, 2005.

(2) It extends to the whole State of Chhattisgarh.

(3) It shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions

In this Act, unless the context otherwise requires,

(1) "**Tonahi**" means person indicated by any person or persons that he will harm or possesses power to harm or thereby he intends to harm any other person or persons or society or animal or living things by black magic, evil eye or by any other means, whether known as Dayan, Tonaha or by any other names;

(2) "**Identifier**" means person who indicates any person as Tonahi or induces other person to indicate or by his deed, words, gesture or behaviour helps to indicate or knowingly does anything so, thereby on the basis of such indication that person may be harmed or apprehended to be harmed or his security and honour may be adversely affected;

(3) "**Ojha**" may he be known by any other name whatsoever, means person who claims to possess power to control, cure, treat Tonahi or any person or animal or living things alleged to be affected by Tonahi and make him powerless, by jharphook, totka, tantra-mantra or by any means;

(4) "**Damage**" includes physical, mental and economic harm and harm to reputation;

(5) "**Code**" means the Code of Criminal Procedure, 1973.

3. Act not in derogation of any other law

The provision of this Act shall be in addition to and not in derogation of any other law for the time being in force.

4. Punishment for identifying Tonahi

Whoever identifies any person as Tonahi by any means shall be punished with rigorous imprisonment for a term which may extend to 3 years and also with fine.

5. Punishment for harassment

Whoever causes physical or mental harassment or damage to any person identified by him or any person as Tonahi shall be punished with rigorous imprisonment for a term which may extend to 5 years and also with fine.

Sample Preview
www.LinkingLaws.com

छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, 2005

[2005 का अधिनियम संख्या 17]

[30th सितम्बर 2005]

प्रस्तावना

भारत गणराज्य के छप्पनवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधान-मंडल द्वारा इसे इस प्रकार अधिनियमित किया जाता है:

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ

(1) इस अधिनियम को छत्तीसगढ़ टोना-टोटका प्रतिषेध अधिनियम, 2005 कहा जायेगा।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा।

(3) यह इसके राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएँ

(1) "**टोनही**" से अभिप्रेत है व्यक्ति जिसे किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों द्वारा उत्प्रेरित किया जाये कि वह किसी अन्य व्यक्ति, व्यक्तियों अथवा उनके जीवित अथवा निर्जीव वस्तुओं को हानि पहुँचाने, दुःख पहुँचाने अथवा हानि पहुँचाने की शक्ति रखता है, चाहे वह हानि टोना अथवा किसी अन्य गुण से उत्पन्न हो।

(2) "**प्रवचनकर्ता**" से अभिप्रेत है व्यक्ति जो किसी व्यक्ति को टोने के रूप में उत्प्रेरित करता हो या अन्य व्यक्ति को उत्प्रेरित करने के लिए प्रेरित करता हो या अपने कार्य, शब्द, भाषणभंगिमा या व्यवहार से उत्प्रेरित करने में मदद करता हो या जान-बूझकर ऐसा कार्य करता हो जिससे ऐसी पहचान के आधार पर उस व्यक्ति को शारीरिक अथवा मानसिक क्षति पहुँचने की आशंका हो अथवा उसकी सुरक्षा एवं सम्मान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

(3) "**ओझा**" चाहे उसे किसी भी अन्य नाम से जाना जाता हो, से अभिप्रेत है व्यक्ति जो यह दावा करता कि वह मंत्र, तंत्र, टोना, टोटका, तंत्र-मंत्र या अन्य साधनों द्वारा टोने या टोटके द्वारा किसी भी व्यक्ति, व्यक्तियों अथवा उनके जीवित वस्तुओं को नियंत्रित, उत्प्रेरित, शापित अथवा प्रभावित कर सकता है।

(4) "हानि" में शामिल है शारीरिक, मानसिक तथा आर्थिक नुकसान तथा प्रतिष्ठा की हानि।

(5) "**संहिता**" से अभिप्रेत है दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973।

3. अधिनियम किसी अन्य विधि का अल्पीकरण नहीं

इस अधिनियम के उपबंध तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अतिरिक्त होंगे तथा यह उसका अल्पीकरण नहीं करेगा।

4. टोनही की पहचान के लिए दंड

जो कोई, किसी व्यक्ति को किसी भी माध्यम से टोने के रूप में पहचान करता है, वह कठोर कारावास से, जिसकी अवधि तीन वर्ष तक हो सकेगी तथा जुर्माने से भी दंडित किया जायेगा।

5. प्रताड़ना के लिए दंड

जो कोई स्वयं या अन्य किसी व्यक्ति द्वारा टोने के रूप में पहचान किये गये व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक रूप से क्षति पहुँचाता है, वह कठोर कारावास से, जिसकी अवधि पाँच वर्ष तक हो सकेगी तथा जुर्माने से भी दंडित किया जायेगा।

Sample Preview

Chhattisgarh ADPO Rapid Course
Complete Syllabus Coverage
Mock Test Series | SubjectWise Practice Set | Recorded Lectures | Practice & Revision Sessions | Expert Mentorship (Tansukh Sir) | Bilingual Classes
Recorded Course Validity : 04 Months
www.LinkingLaws.com
CLICK HERE TO ENROL NOW
Linking Support 988 774 6200, 988 774 6465 (Classes)
ENROL NOW

www.LinkingLaws.com

ALL-IN-ONE PAPERATHON©

For Preliminary, Mains & Interview

Covered more than 15 States' Judiciary Exams.
Available in English and Hindi Edition

Sample Preview

Civil Major Laws

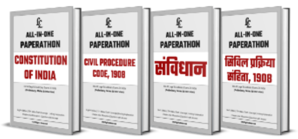

Criminal Major Laws

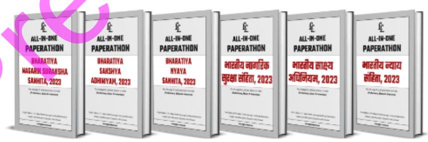

Civil Minor Laws

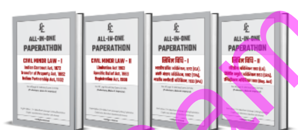

Criminal Minor Laws

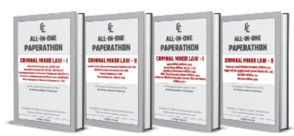

Family Laws

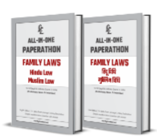

Uncodified Laws

Scan this QR
Order Now or visit
www.LinkingLaws.com

E-Study Material for Judiciary and Law Exams
is available at **Linking App.**

(E-2)